कार्तवीर्यार्जुन-प्रयोग (kartaviryarjuna prayoga)

कार्तवीर्यार्जुन-प्रयोग आज के समय में प्रत्येक साधक के लिए वांछाकल्पद्रुम के समान है। राजा तथा चोर आदि से पीड़ित होने पर, शस्त्र, अग्नि तथा जहर के प्रयोग होने पर, महामारी तथा बुरे स्वप्नों की बाधा होने पर, ग्रह-भय तथा रोग-भय होने पर, भूत-प्रेत, राक्षस, गंधर्व, बेताल, पिशाच, द्वारा ग्रस्त होने पर, महाभय अथवा महाविनाश के समय, घोर महामृत्यु का भय होने पर अथवा सर्वस्व-हरण हो जाने पर इस प्रयोग का फल अचूक होता है। इतना ही नहीं यदि किसी व्यक्ति का धन नष्ट हो गया हो, अथवा कोई धन उधार लेकर या अन्य किन्हीं कारणों से धन वापस न कर रहा हो तो उस धन की वापस प्राप्ति के लिए कार्तवीर्यार्जुन प्रयोग बहुत ही प्रभावी होता है।

यह प्रयोग एक दुर्लभ प्रयोग है, जिसे मैं साधकों के लिए यहां लिख रहा हूॅं।

कार्तवीर्यार्जुन-प्रयोग से अपरिचित साधकों को यंहा कार्तवीर्यार्जुन के विषय में संक्षेप में उल्लेख करना आवश्यक समझता हूॅं। ‘कार्तवीर्य’ को अर्जुन, सहस्रार्जुन, कार्तवीर्यार्जुन, तथा हैहयाधिपति भी कहा जाता है। इनके पिता का नाम कृतवीर्य तथा माता का नाम पद्मधरा था। ये हैहय देश के राजा थे और इनकी राजधानी का नाम माहिष्मती था। कठोर तपस्या के कारण इन्होंने भगवान दत्तात्रेय से कई वरदान प्राप्त किये थे, जिनमें सहस्र भुजाएं और स्वर्ण-रथ मुख्य थे। ये रावण के समकालीन थे और एक बाद इन्होंने उसे बन्दी भी बना लिया था, परन्तु उसके पिता महर्षि पुलस्त्य के कहने पर मुक्त कर दिया था। एक बार इन्होंने परशुराम जी के पिता जमदग्नि ऋषि की कामधेनु गाय का अपहरण कर दिया था तो परशुराम जी ने इनका वध कर डाला था।

प्रत्येक काय की सिद्धि के लिए इनके अलग-अलग मंत्र हैं। इसलिए जिस साधक का जो लक्ष्य हो, उसी से सम्बन्धित मंत्र का अनुष्ठान उसे करना चाहिए। वे मंत्र मैं क्रमशः लिख रहा हूॅं।

धन-प्राप्ति के लिए:-

ॐ ह्रीं धनदकार्तवीर्यार्जुनाय नमः । जप संख्या- एक लाख

वशीकरण के लिए:-

ॐ ह्रीं क्रों वशीकरण कार्तवीर्याजुनाय नमः । जप संख्या- एक लाख

सर्वकामना सिद्धि के लिए :-

ॐ क्लीं क्रों कार्तवीर्य सर्व कामनायै नमः । जप संख्या-एक लाख

शत्रु-नाश के लिए :-

ॐ छ्रीं क्रों कार्तवीर्यार्जुनाय शत्रु-क्षय कामाय नमः। एक लाख

सर्वलोक-वशीकरण के लिएः-

ॐ ह्रीं क्रों क्लीं कार्तवीर्यार्जुनाय सर्वलोक वशीकरण कामाय नमः । उपरोक्त

उच्चाटन के लिएः-

ॐ क्रों कार्तवीर्यार्जुनाय उच्चाटन कामाय नमः। उपरोक्त

अभीष्ट-सिद्धि के लिएः-

ॐ हुं फट् कार्तवीर्यार्जुनाय अभीष्ट सिद्धि कामाय नमः। उपरोक्त

सर्व दुखों के नाश के लिएः-

ॐ क्रां क्रूं क्लीं कार्तवीर्यार्जुनाय सर्वदुख प्रशमन कृपा-प्रसादन सर्वकामनायै नमः। जप संख्या एक लाख

सर्व कार्यों में बाधा-निवारण के लिएः-

ॐ क्रों गां गीं गूं गं नमः । सर्वकार्याविघ्न कामाय नमः । जप संख्या एक लाख

असाध्य की सिद्धि के लिएः-

ॐ गं नमः। क्रों कार्तवीर्यार्जुनाय नमः। जप संख्या चार लाख

सर्वरोग निवारण के लिएः-

ॐ दुख हर्ता कार्यवीर्यार्जुनाय सर्वरोग निवारण कामाय नमः। एक लाख

व्यापार-वृद्धि के लिएः-

ॐ क्लीं कार्तवीर्यार्जुनाय व्यापार कामाय नमः। एक लाख

राजा अथवा उच्चाधिकारी से कार्य कराने के लिएः-

ॐ क्लीं क्रों कार्तवीर्यार्जुनाय राजसमीप कामाय नमः। एक लाख

समस्त कार्यो की पूर्णता के लियेः-

ॐ द्रों श्रीं भ्रूं आं ह्रीं क्रों श्रीं हुं फट् कार्तवीर्यार्जुनाय नमः। चार लाख

नष्ट अथवा गये हुए धन की प्राप्ति के लिएः-

ॐ कार्तवीर्यार्जुनो नाम राजा सहस्रबाहुकम्। यस्य स्मरण मात्रेण हृत नष्टं च लभ्यते ।।

घर से रूठकर अथवा अन्य किन्हीं कारणों से गये व्यक्ति को वापिस बुलाने के लिएः-

ॐ कार्तवीर्यार्जुनो नाम राजा सहस्रबाहुकम्। यस्य स्मरण मात्रेण (अमुक) हृत नष्ट च लभ्यते ।। जप संख्या एक लाख ।

कार्तवीर्यार्जुन-गायत्री मंत्र

DR. RUPNATHJI(DR. RUDRA NATH)

Web :

:-

ॐ कार्तवीर्यार्जुनाय विद्महे सहस्रकराय धीमहि। तन्नो विष्णुः प्रचोदयात्।।

उपर्युक्त सभी मंत्रों के ध्यान, विनियोग, न्यास एवं विधान अलग-अलग हैं। इसलिए यदि किसी मंत्र का प्रयोग करें तो सर्वप्रथम किसी योग्य ब्राह्मण से विधान का ज्ञान करने के उपरान्त ही आरम्भ करें।

::::::::::::::::::::::::::::::::::::